

ईंख की व्यावसायिक खेती गुड़ बनाने एवं इसका रस पीने के लिए की जाती हैं। ईंख एक नकदी फसल है, इसे एक वर्ष रोपकर दो खूँटी फसल के साथ लगातार तीन वर्षों तक उपज लिया जा सकता है। झारखण्ड राज्य के करीब 500 हेक्टेयर में गन्ना की खेती होती है। प्रमुख जिलों जैसे राँची, गुमला, गोड्डा, गढ़वा, कोडरमा, लोहरदगा आदि में इसकी खेती ज्यादातर की जाती है।

## जातियां

शीघ्र (9 से 10 माह) में पकने वाली

किस्म	उपज क्विं. प्रति एकड़	शक्कर मात्रा %	विवरण	अनुमोदित
को. 7314	320-360	21	कीट प्रकोप कम । रेडराट निरोधक/गुड़ व जड़ी के लिए उत्तम/संपूर्ण	म.प्र.
को. 64	320-360	21	कीटों का प्रकोप अधिक, गुड़ व जड़ी के लिए उत्तम,	उत्तरी क्षेत्र

को.सी. 671	320-360	22	रेडराट निरोधक /कीट प्रकोप कम/ गुड़ व जड़ी के लिए उत्तम	उत्तरी क्षेत्र
को. 8209	360-400	20	कीट प्रकोप कम / लाल सड़न व कडुवा निरोधक/ शक्कर अधिक/जड़ी उत्तम	
को. 7704, को. 87008, को. 87010	320-360	20	कीट प्रकोप कम/लाल सड़न व कडुवा निरोधक/ शक्कर अधिक/जड़ी उत्तम	उज्जैन संभाग

**बीज की मात्रा एवं बोने की विधि**

गन्ने के लिए 100-125 कि. बीज या लगभग 1 लाख 25 हजार आंखें/हेक्टर गन्ने के छोटे-छोटे टुकड़े इस तरह कर लें कि प्रत्येक टुकड़े में दो या तीन आंखें हों । इन टुकड़ों को कार्बेन्डाजिम-2 ग्राम प्रति लीटर के घोल में 15 से 20 मिनट तक डुबाकर कर रखें। इसके बाद टुकड़ों को नालियों में रखकर मिट्टी से ढंक दें एवं सिंचाई कर दें या सिंचाई करके हलके से नालियों में टुकड़ों को दबा दें ।

## अन्तर्वर्तीय फसल

अक्टूबर-नवंबर में 90 से.मी. पर निकाली गई गेहूँ में गन्ने की फसल बोई जाती है । साथ ही मेड़ों के दोनों ओर प्याज, लहसुन, आलू राजमा या सीधी बढ़ने वाली मटर अन्तर्वर्तीय फसल के रूप में लगाना उपयुक्त होता है । इससे गन्ने की फसल को कोई हानि नहीं होती । इससे 6000 से 10000 रुपये का अतिरिक्त लाभ होगा। वसंत ऋतु में गेहूँ की मेड़ों के दोनों ओर

मूंग, उड़द लगाना लाभप्रद है। इससे 2000 से 2800 रुपये प्रति एकड़ अतिरिक्त लाभ मिल जाता है।

उर्वरक गन्ने में 300 कि. नाइट्रोजन (650 किलो यूरिया), 80 किलो सल्फर, (500 कि० सुपरफास्फेट) एवं 90 किलो पोटाश (150 कि.ग्रा. म्यूरेट ऑफ पोटाश) प्रति हेक्टर दें। सल्फर व पोटाश की पूरी मात्रा बोनी के पूर्व गेहों में देना चाहिए। नाइट्रोजन की मात्रा अक्टू. में बोई जाने वाली फसल के लिए संभागों में बांटकर अंकुरण के समय, कल्ले निकलते समय हल्की मिट्टी चढ़ाते समय एवं भारी मिट्टी चढ़ाते समय दें। फरवरी में बोई गई फसल में तीन बराबर भागों में अंकुरण के समय हल्की मिट्टी चढ़ाते समय एवं भारी मिट्टी चढ़ाते समय दें। गन्ने की फसल में नाइट्रोजन की मात्रा की पूर्ति गोबर की खाद या हरी खाद से करना लाभदायक होता है।